

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-३४

दिनांक- शनिवार, ०६ मई, २०२३



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0 एवं 19.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 78 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 41 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.1 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.8 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.5 एवं दोपहर में 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(07-11 मई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07-11 मई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। हलॉकि, पूर्वानुमानित अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में मौसम शुष्क तथा पछिया हवा चलने के कारन तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है जिसके चलते यह तापमान 38-39 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने की सम्भावना है। जबकि न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 12 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। शुष्क मौसम को देखते हुये रबी मक्का की कटनी तथा सुखाने का काम सम्पन्न कर लें।
- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सूर्य की तेज धूप मिट्टी में छिपे कीड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें। खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से करें।
- अदरक की बुआई 15 मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, स्फूर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 विवंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20-30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30x20 से०मी० रखें। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- उरद और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। इसके शुरुवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है।
- भिंडी की खड़ी फसल पर जैसीड एवं बोरर का प्रकोप होने पर नीम आधारित दवाएँ जैसे नीमीगोल्ड, नीमीसाईड का प्रयोग/2 मि०ली० प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कहू), और खीरा लाल भुंग कीट से काफी नुकसान होता है। इसके पीठ का रंग नारंगी लाल तथा अधर भाग का रंग काला होता है। इसके शिशु फसल की जड़ को तथा व्यस्क पत्तियों एवं फूलों को हानी पहुचाते है। इससे बचाव के लिए डाइक्लोरवाँस 76 ई०सी० का 1 मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- ओल के गजेन्द्र किस्म की रोपाई संपन्न करें। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करें।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुशंसित दूरी पर 1 मी० व्यास के 1 मीटर गहरे गड्ढे बना कर छोड़ दें।
- सभी दुधारु पशुओं को गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से वचाव के लिए टीकाकरण करायें। नए गेहूँ के भूसा को खिलाने के पूर्व करीब 2 घंटा पानी में फुला लें एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा 50 ग्राम नमक, चारा-दाना मिलाकर दें।

आज का अधिकतम तापमान: 36.1 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम

आज का न्यूनतम तापमान: 17.9 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ० ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)